N.E.W. SEMINARY उपदेश सामग्री

मछली के पेट से की गई प्रार्थना

पास्टर हून किम, 18 अक्टूबर 2026, योना 1:17-2:10

पास्टर हून किम बड़ी मछली के पेट से योना की प्रार्थना का अध्ययन करते हैं, और यह प्रकट करते हैं कि परमेश्वर किस प्रकार अपनी संप्रभुता में संकट के समय को पुराने स्वभाव की मृत्यु के लिए एक गर्भ के समान तैयार करते हैं। वाचा के संबंध पर आधारित, सच्ची प्रार्थना विश्वासियों को पूरे विश्वास के साथ 'मेरे परमेश्वर' को पुकारने के लिए आमंत्रित करती है, यह जानते हुए कि प्रभु सुनते हैं और इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम कौन हैं।

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से कोरियाई से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-10-19-new-jonah-1-the-prayer-in-the-belly-of/

एक नज़र में · शिक्षा के नोट्स · पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका · शब्द अध्ययन · स्थान और समयरेखा · शिक्षा की रूपरेखा · अध्ययन मार्गदर्शिका · प्रार्थना · दोहराने के प्रश्न · तीन मिनट में · एक सप्ताह के WhatsApp संदेश

स्लाइड

- स्लाइड 1: मछली के पेट से की गई प्रार्थना
- स्लाइड 2: परमेश्वर ने मछली को तैयार किया
- स्लाइड 3: तीन दिन और तीन रात
- स्लाइड 4: अपने परमेश्वर से प्रार्थना करना

एक नज़र में

एक नज़र में: मछली के पेट में प्रार्थना

- **शीर्षक (कोरियाई):** 요나의 기도와 보혈의 능력
- **शीर्षक (अंग्रेज़ी):** The Prayer in the Belly of the Fish (सुझाया गया: हाशिए में एक कविता: अनुग्रह के गर्भ में प्रार्थना)
- **दिनांक:** 19 अक्टूबर 2026

- **मुख्य शास्त्रभाग:** योना 1:17–2:10
- **प्रचारक:** पास्टर हून किम (N.E.W. Church)

मुख्य सत्य

परमेश्वर अपनी संप्रभुता से संकट के समय और स्थानों को, जैसे कि मछली के पेट को, हमारा नाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में तैयार करते हैं जहाँ हमारा पुराना 'स्व' मर जाता है और हम अपने व्यक्तिगत परमेश्वर को पुकारने के उस शाही विशेषाधिकार को खोज पाते हैं, जो इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम कौन हैं।

सारांश

योना 1:17–2:10 में, योना एक बड़ी मछली के गहरे संकरे स्थान से एक काव्यात्मक प्रार्थना करता है, जो उस बात को दर्शाती है जिसे कवि किम योंग-ताएक ने "रिक्त स्थान का सौंदर्यशास्त्र" कहा था, जहाँ अनकही सच्चाइयाँ दिखने वाले शब्दों से अधिक ज़ोर से बोलती हैं। परमेश्वर ने अपनी संप्रभुता से मछली को केवल बचाने वाले साधन के रूप में ही नहीं, बल्कि नए जन्म के एक गर्भ के रूप में तैयार किया, जहाँ पुराना 'स्व' तीन दिन और तीन रात तक एक प्रतीकात्मक मृत्यु से गुज़रता है, ठीक वैसे ही जैसे सीनै पर्वत पर इस्राएल और मोरिय्याह पर्वत पर अब्राहम के साथ हुआ था। योना की प्रार्थना इस्राएल के वाचा संबंधी विशेषाधिकार का नमूना प्रस्तुत करती है, जहाँ प्रार्थना किसी कर्मकांडीय जोड़-तोड़ के बजाय एक व्यक्तिगत संबंध ("उसका परमेश्वर यहोवा") पर आधारित होती है। यहाँ तक कि जब हमारी प्रार्थनाएँ किसी शिशु के तुतलाने जैसी लगती हैं, तब भी परमेश्वर सुनते हैं, हमारी ज़रूरतों को पहले से जानते हैं, और सबसे बढ़कर मसीह में हमारे अस्तित्व और पहचान पर ध्यान देते हैं।

मुख्य भाग

1. **हाशिए की एक कविता: मछली के पेट में प्रार्थना** (पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं के काव्य का परिचयात्मक सौंदर्यशास्त्र और योना की प्रार्थना के गहरे हाशिए)
2. **वह विशेष वातावरण जिसे परमेश्वर ने तैयार किया** (तूफ़ान में मुलाक़ात के गर्भ के रूप में मछली का परमेश्वर द्वारा संप्रभुता से किया गया प्रबंध)
3. **तीन दिन और तीन रात: 'स्व' की मृत्यु और नया जन्म पाना** (निर्गमन, अब्राहम, और योना में देखा गया रूपांतरण और आत्मिक मृत्यु का बाइबलीय स्वरूप)
4. **संबंध पर आधारित पुकार और उत्तर का भरोसा** (इस भरोसे के साथ "मेरे परमेश्वर" को पुकारना कि परमेश्वर हमारे शब्दों से पहले हमारे अस्तित्व पर ध्यान देते हैं)

शिक्षा के नोट्स

अध्ययन नोट्स: मछली के पेट में प्रार्थना

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **एक कला के रूप में भविष्यद्वाणी का साहित्य:** योना की पुस्तक पवित्र शास्त्र भी है और उत्कृष्ट इब्रानी साहित्य भी। यह आत्मिक सच्चाइयों को प्रकट करने के लिए नाटकीय विडंबना, संरचनात्मक समरूपता, और काव्यात्मक प्रार्थना का उपयोग करती है।
- **आदर्श इस्राएली प्रार्थना:** अध्याय 2 में योना की प्रार्थना लगभग पूरी तरह से भजनों के वाक्यांशों से बनी है (जैसे, भजन 18, 30, 42, 116, 120)। योना एक आदर्श इस्राएली के रूप में कार्य करता है, जो अपने विद्रोह के बावजूद, प्रार्थना की प्रामाणिक आराधना-संबंधी भाषा को जानता है और इस्राएल को दिए गए वाचा संबंधी विशेषाधिकारों का उपयोग करता है [योना 2:1–9]।

स्थान और भूगोल

- **मोरिय्याह पर्वत / सिय्योन पर्वत:** बेर्शेबा से मोरिय्याह पर्वत तक अब्राहम की तीन दिन की यात्रा (उत्पत्ति 22) पर ध्यान दिया गया है। पास्टर किम मोरिय्याह की पहचान यरूशलेम के सिय्योन पर्वत के रूप में करते हैं, और इसे उस स्थान के रूप में रेखांकित करते हैं जहाँ इसहाक को बाँधने के द्वारा स्वयं की इच्छा को समर्पित कर दिया गया था।
- **सीनै पर्वत / मरुभूमि का जंगल:** मिस्र से सीनै पर्वत तक जंगल की यात्रा (निर्गमन 19) को उस परख के स्थान के रूप में प्रस्तुत किया गया है जहाँ इस्राएल से दासता की मानसिकता को उतार दिया गया ताकि वे परमेश्वर की निज संपत्ति (*segullah*) के रूप में अपनी पहचान का प्रकाशन प्राप्त कर सकें।
- **समुद्र का हृदय / अधोलोक:** वे भौगोलिक गहराइयाँ जिनमें योना डूब गया था, अतल गड्ढे, पहाड़ों की जड़ों, और अधोलोक (शियोल) यानी मानव पहुँच से बाहर मृत्यु के राज्य को दर्शाती हैं [योना 2:2–6]।

मूल भाषा की समझ

- **परमेश्वर ने ठहराया / तैयार किया (*Manah* - מָנָה):** योना 1:17 में (और बाद में योना 4:6, 7, 8 में), परमेश्वर विशिष्ट साधनों को "तैयार" या "नियुक्त" करते हैं। परमेश्वर सृष्टि पर संप्रभु हैं, जो अपने दासों को निर्देशित करने के लिए तूफ़ानों, मछली, पौधों, और कीड़ों को नियुक्त करते हैं।
- **पुल्लिंग से स्त्रीलिंग मछली (*Dag* / *Dagah* - דָּג / דָּגָה):** योना 1:17a में, मछली पुल्लिंग है (*dag gadol*), जबकि योना 1:17b / 2:1 में यह स्त्रीलिंग रूप में आती है (*dagah*)। पास्टर किम रब्बियों/टीकाकारों की इस अंतर्दृष्टि को रेखांकित करते हैं कि यह बदलाव, आंतरिक अंगों/पेट के लिए इब्रानी शब्द (*me'im* / מֵעִים) के साथ मिलकर, एक गर्भ (*rechem*) के कार्य का संकेत देता है, जिससे वह मछली केवल एक क़ब्र बनने के बजाय गर्भाधान और नए जन्म का वातावरण बन जाती है।
- **निज संपत्ति (*Segullah* - סְגֻלָּה):** निर्गमन 19:5 में उपयोग किया गया। तीन दिन के जंगल के अनुभव के माध्यम से इस्राएल इस प्रकाशन में प्रवेश कर सका कि वे परमेश्वर की बहुमूल्य व्यक्तिगत संपत्ति हैं।
- **उसका परमेश्वर यहोवा (*Yahweh Elohayw* - יְהוָה אֱלֹהָיו):** योना 2:1 में, योना "अपने परमेश्वर यहोवा" से प्रार्थना करता है। सच्ची प्रार्थना किसी सामान्य ईश्वरीय विश्वास के बजाय व्यक्तिगत, वाचा संबंधी रिश्ते पर टिकी होती है।

आत्मिक सच्चाइयाँ और अनुप्रयोग

- **रिक्त स्थान का सौंदर्यशास्त्र (*Yeobaek-ui Mihak*):** किम योंग-ताएक की कविता *द मून* का उपयोग करते हुए, पास्टर किम स्पष्ट करते हैं कि अनकहा संदर्भ, दो प्रेमियों के बीच का संबंध, साधारण शब्दों को सामर्थ्य प्रदान करता है। इसी प्रकार, योना की प्रार्थना में अनकही पृष्ठभूमि परमेश्वर का वह स्थायी वाचा संबंधी प्रेम है जो योना की हताश पुकार को घेरे हुए है।
- **मछली का पेट एक तैयार किए गए पवित्र स्थान के रूप में:** कठिनाइयाँ, जहाज़ टूटना, और गहराइयाँ कोई दुर्घटनाएँ नहीं हैं; परमेश्वर विशिष्ट वातावरण (प्रार्थना के पर्वत, भोर का समय, संकट के मोड़) तैयार करते हैं जहाँ हम भागना बंद करने और उनसे मिलने के लिए विवश हो जाते हैं।
- **आत्मिक मृत्यु का "तीन दिन और तीन रात" का सिद्धांत:**
- सच्चे रूपांतरण के लिए 'स्व' की मृत्यु आवश्यक है।
- इस्राएल के दासत्व से पुत्रत्व में संक्रमण में देखा गया (निर्गमन)।
- अब्राहम द्वारा अपनी सबसे प्रिय प्रतिज्ञा, इसहाक, के समर्पण में देखा गया (उत्पत्ति 22)।
- यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान में देखा गया (योना का चिन्ह, मत्ती 12)।
- मछली का पेट वह स्थान है जहाँ हमारा घमंड, हठधर्मी विचार, और पुराना स्वभाव गलकर समाप्त हो जाते हैं ताकि हम नया जन्म ले सकें।
- **प्रार्थना की संबंधपरक नींव:**
- प्रार्थना सांसारिक या अन्यजाति विनतियों से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानने पर आधारित है।
- नास्तिकता की त्रासदी विस्मय और गहरे आभार का अनुभव करना तो है, परंतु धन्यवाद देने के लिए कोई लक्ष्य या व्यक्ति न होना है।
- योना के पास पुकारने के लिए कोई था: "मेरा परमेश्वर।"
- **परमेश्वर केवल हमारे तुतलाने पर नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व पर ध्यान देते हैं:**
- जिस तरह एक माँ अपने शिशु की अस्पष्ट रोने की आवाज़ को समझती है, उसी तरह परमेश्वर हमारी लड़खड़ाती या भटकी हुई विनतियों से परे जाकर हमारी मूल पहचान और सच्ची ज़रूरतों पर ध्यान देते हैं।
- परमेश्वर का उत्तर उनके बच्चों के रूप में *हमें* दिया गया उत्तर है, न कि केवल बोले गए शब्दों का कोई यांत्रिक प्रत्युत्तर।

पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका

शास्त्र मार्गदर्शिका: मछली के पेट में प्रार्थना

शास्त्र उपयोग तालिका

संदर्भ	कैसे उपयोग हुआ	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या अर्थ निकाला	विश्वसनीयता
योना 1:17	पढ़ा गया और व्याख्या की गई	परमेश्वर ने वातावरण तैयार किया; 'स्व' की मृत्यु	परमेश्वर ने अपनी संप्रभुता से एक बड़ी मछली ठहराई (*manah*)। मछली का व्याकरणिक रूप बदलकर गर्भ का संकेत देता है; तीन दिन और रात रूपांतरण को दर्शाते हैं।	उच्च
योना 2:1	पढ़ा गया और व्याख्या की गई	संबंध और भरोसा	योना ने "अपने परमेश्वर यहोवा" से प्रार्थना की। प्रार्थना दूरस्थ ज्ञान से नहीं, बल्कि वाचा संबंधी, व्यक्तिगत रिश्ते से शुरू होती है।	उच्च
योना 2:2	पढ़ा गया और व्याख्या की गई	संबंध और भरोसा	संकट में योना ने अधोलोक से पुकारा, और परमेश्वर ने उत्तर दिया। पीड़ा परमेश्वर को खोजने का निर्धारित समय है, जो हमारे अस्तित्व पर ध्यान देते हैं।	उच्च
योना 2:3–9	पढ़ा गया	हाशिए की एक कविता	उपदेश के पाठ वाचन के दौरान बारी-बारी से पढ़ा गया; संकट और छुटकारे की भजन-जैसी काव्यात्मक भाषा प्रस्तुत करता है।	उच्च
योना 2:10	पढ़ा गया और संकेत दिया गया	परमेश्वर ने वातावरण तैयार किया; 'स्व' की मृत्यु	मछली ने योना को सूखी भूमि पर उगल दिया; पुराने 'स्व' की मृत्यु के बाद नए जीवन में बाहर आने को दर्शाता है।	उच्च
योना 4:6–8	संकेत दिया गया	परमेश्वर ने वातावरण तैयार किया	अध्याय 4 में, परमेश्वर योना को सिखाने के लिए इसी प्रकार एक पौधा, एक कीड़ा, झुलसाने वाली पूर्वी हवा, और धूप "तैयार" करते हैं।	उच्च
मत्ती 12:39–40 ("सुसमाचारों" के माध्यम से संकेतित)	संकेत दिया गया	'स्व' की मृत्यु	यीशु ने "योना के चिन्ह" की बात की, तीन दिन और रात मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान की ओर संकेत करते हैं।	उच्च
निर्गमन 3:18 / 5:3 / 8:27	संकेत दिया गया	'स्व' की मृत्यु	मूसा ने फ़िरौन से परमेश्वर की आराधना करने के लिए जंगल में तीन	उच्च

संदर्भ	कैसे उपयोग हुआ	कहाँ	पास्टर किम ने इससे क्या अर्थ निकाला	विश्वसनीयता
			दिन की यात्रा करने की अनुमति माँगी थी।	
निर्गमन 19:5–6	संकेत दिया गया	'स्व' की मृत्यु	जंगल की यात्रा के बाद, इस्राएल सीनै पर पहुँचता है और परमेश्वर उन्हें अपनी *segullah* (निज संपत्ति) कहते हैं।	उच्च
उत्पत्ति 22:1–14	संकेत दिया गया	'स्व' की मृत्यु	अब्राहम इसहाक को चढ़ाने के लिए मोरिय्याह पर्वत तक तीन दिन की यात्रा करता है, जो परमेश्वर की आज्ञाकारिता में पुराने 'स्व' की मृत्यु को दर्शाता है।	उच्च
अय्यूब (की पुस्तक)	संकेत दिया गया	संबंध और भरोसा	परमेश्वर अय्यूब के जीवन में दुःख को गवाही देने और अपने ईश्वरीय उद्देश्यों को प्रकट करने के लिए जारी रहने की अनुमति देते हैं।	उच्च

आराधना में अन्यत्र

संदर्भ	कैसे उपयोग हुआ	कहाँ	पास्टर किम / आराधना संचालक ने इससे क्या अर्थ निकाला	विश्वसनीयता
भजन संहिता 103:1–14	बारी-बारी से पढ़ा गया	उपदेश से पहले की आराधना विधि	बारी-बारी से पाठ #45, जो परमेश्वर के उपकारों, दया, और इस स्मरण का उत्सव मनाता है कि हम धूल ही हैं।	उच्च
इब्रानियों 4:16 / 10:19–22	संकेत दिया गया	प्रभु भोज प्रार्थना और आरंभिक प्रार्थना	अनुग्रह के सिंहासन के निकट साहस के साथ आना; हमारे जीवित महायाजक के रूप में यीशु जिन्होंने परदे को फाड़ दिया।	उच्च
1 कुरिन्थियों 15:12–28	सूची पत्रक में सूचीबद्ध	सूची संदर्भ	सूची पत्रक इस शास्त्रभाग को सूचीबद्ध करता है; इसे उपदेश के प्रतिलेख में न तो पढ़ा गया और न ही सीधे उद्धृत किया गया (संभवतः निर्धारित था या पुनरुत्थान के विषय से संबंधित था)। समीक्षा के लिए चिह्नित।	निम्न (स्रोत में अनुपस्थित)

संदर्भ और अनुप्रयोग

बाइबलीय और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

योना उत्तरी राज्य का एक भविष्यद्वक्ता था जो यारोबाम द्वितीय के शासनकाल के दौरान सेवा करता था (2 राजा 14:25)। नीनवे के विरुद्ध भविष्यद्वाणी करने के परमेश्वर के बुलाहट से भागने के बाद, भूमध्य सागर के एक भयंकर तूफ़ान के दौरान अन्यजाति मल्लाहों ने उसे समुद्र में फेंक दिया। योना 1:17 उस वृत्तांत का मोड़ है जहाँ परमेश्वर योना को निगलने के लिए एक बड़ी मछली का प्रबंध करते हैं। इब्रानी बाइबल में, योना 1:17 को योना 2:1 के रूप में गिना गया है, जिससे मछली का पेट इसके बाद आने वाली कविता का स्पष्ट वातावरण बन जाता है। अध्याय 2 में भजन-जैसी प्रार्थना प्रामाणिक विलाप और धन्यवाद के भजनों से बहुत कुछ लेती है, जो यह दर्शाती है कि ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी का एक भविष्यद्वक्ता इस्राएल की आराधना की शब्दावली के दायरे में कठोर ताड़ना और मृत्यु के निकट के अनुभव को कैसे समझता है।

पास्टर किम ने इन शास्त्रभागों को कैसे लागू किया

पास्टर किम मछली के पेट में योना के तीन दिनों को व्यापक बाइबलीय धर्मशास्त्र से जोड़ते हैं:

1. **तैयारी की संप्रभुता:** जिस तरह परमेश्वर ने मछली, पौधे, कीड़े, और हवा को तैयार (*manah*) किया, उसी तरह परमेश्वर अपनी संप्रभुता से हमारे जीवन के विशिष्ट संकटों और सीमाओं की रचना करते हैं।
2. **"तीन दिन और तीन रात" का विषय:** इस अवधि को केवल कालानुक्रमिक समय के रूप में नहीं, बल्कि रूपांतरण की एक प्रतीकात्मक दहलीज के रूप में माना जाता है: इस्राएल का यह सुनने के लिए जंगल की यात्रा करना कि वे परमेश्वर की *segullah* (निज संपत्ति) हैं (निर्गमन 19), अब्राहम का इसहाक की बलि देने के लिए मोरिय्याह तक तीन दिन की यात्रा करना (उत्पत्ति 22), और यीशु का क़ब्र में तीन दिन बिताना (मत्ती 12)।
3. **नए जन्म का गर्भ:** मछली के लिए इब्रानी लिंग रूपों में बदलाव के आधार पर, पास्टर किम पेट (*me'eh*) को एक ऐसे गर्भ के रूप में प्रस्तुत करते हैं जहाँ पुरानी पहचान उतार दी जाती है ताकि एक पुनरुत्थित सेवक बाहर निकल सके।
4. **वाचा संबंधी प्रार्थना:** "अपने परमेश्वर यहोवा" (*Yahweh Elohayw*) को योना की पुकार यह दर्शाती है कि सच्ची प्रार्थना वाचा के संबंध पर स्थापित होती है। जिस प्रकार एक माँ बच्चे के तुतलाने का अर्थ समझती है, उसी प्रकार परमेश्वर हमारे अपूर्ण शब्दों को समझते हैं और हमारे अस्तित्व को उत्तर देते हैं।

चूक और ध्यान देने योग्य बातें

- **1 कुरिन्थियों 15:12–28:** सूची पत्रक में संदर्भों के अंतर्गत 1 कुरिन्थियों 15:12–28 को सूचीबद्ध किया गया है, परंतु यह शास्त्रभाग उपदेश के भाग में न तो पढ़ा गया और न ही सीधे उद्धृत किया गया है। समीक्षक के लिए यह जाँचने के वास्ते चिह्नित किया गया है कि क्या यह प्रभु भोज के संबंधित पाठ के लिए था या आराधना के किसी अन्य भाग के लिए ।
- **लाल समुद्र से सीनै पर्वत का कालक्रम:** पास्टर किम टिप्पणी करते हैं कि लाल समुद्र पार करने के बाद, इस्राएल ने "तीन दिन और तीन रात यात्रा की और सीनै पर्वत पर पहुँचे।" बाइबल के अनुसार, इस्राएल ने माराह पहुँचने के लिए शूर के जंगल में तीन दिन की यात्रा की थी (निर्गमन 15:22–23), और वे तीसरे महीने

में सीनै पहुँचे थे (निर्गमन 19:1)। समीक्षक को तीन दिन की जंगल यात्रा और सीनै पर पहुँचने के इस सम्मिश्रण पर ध्यान देना चाहिए।

शब्द अध्ययन

शब्द अध्ययन: मछली के पेट में प्रार्थना

1. तैयार किया / ठहराया

- **बोले गए शब्द:** 준비하셨다 (junbi-hasyeotda)
- **लिप्यंतरण:** *manah*
- **मूल लिपि:** מָנָה
- **सिखाया गया अर्थ:** संप्रभुता से नियुक्त किया, सौंपा, या पहले से तैयार किया। संकट आने से पहले ही परमेश्वर उसे जानते हैं और ताड़ना व उद्धार के साधनों को पहले से ही तैनात कर देते हैं (योना 1:17 में मछली के साथ, और योना 4:6–8 में पौधे, कीड़े, पुरवाई हवा, और धूप के साथ देखा गया)।
- **वचन:** योना 1:17 (योना 4:6, 7, 8 भी)
- **खंड का शीर्षक:** परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया विशेष परिवेश

2. मछली (पुल्लिंग से स्त्रीलिंग में बदलाव)

- **बोले गए शब्द:** 남성 물고기에서 여성 물고기 (पुल्लिंग मछली से स्त्रीलिंग मछली)
- **लिप्यंतरण:** *dag* (पुल्लिंग) / *dagah* (स्त्रीलिंग)
- **मूल लिपि:** דָּג / דָּגָה
- **सिखाया गया अर्थ:** योना 1:17 में, मछली आरंभ में पुल्लिंग (*dag*) है, लेकिन योना 2:1 में यह स्त्रीलिंग (*dagah*) में बदल जाती है। पास्टर किम इस व्याख्यात्मक परंपरा को रेखांकित करते हैं कि मछली एक माँ के गर्भ (*me'eh* / पेट) के समान बन जाती है, जिसका उद्देश्य योना को सुरक्षित रखना, ताड़ना देना, और एक नई बुलाहट में जन्म देना है।
- **वचन:** योना 1:17–2:1
- **खंड का शीर्षक:** परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया विशेष परिवेश

3. निज धन

- **बोले गए शब्द:** 세굴라 (segulla)
- **लिप्यंतरण:** *segullah*
- **मूल लिपि:** סְגֻלָּה

- **सिखाया गया अर्थ:** एक विशेष खजाना, अनमोल व्यक्तिगत संपत्ति, या प्रिय वाचा के लोग। पास्टर किम इसे इस्राएल की उस नई पहचान के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जो उन्होंने जंगल की तीन दिन की यात्रा के माध्यम से अपनी दासता की पहचान को उतार फेंकने के बाद सीनै पर्वत पर प्राप्त की थी।
- **वचन:** निर्गमन 19:5
- **खंड का शीर्षक:** तीन दिन और तीन रात: स्वयं की मृत्यु और नया जन्म

4. उसका परमेश्वर / मेरा परमेश्वर

- **बोले गए शब्द:** 그의 하나님 / 나의 하나님 (geu-ui hananim / na-ui hananim)
- **लिप्यंतरण:** *Yahweh Elohayw* / *Yahweh Elohay*
- **मूल लिपि:** יְהוָה אֱלֹהָיו / יְהוָה אֱלֹהָי
- **सिखाया गया अर्थ:** परमेश्वर का व्यक्तिगत, संबंधपरक वाचा-नाम। योना किसी दूर स्थित देवता या अज्ञात शक्ति से प्रार्थना नहीं करता, बल्कि "अपने परमेश्वर" से प्रार्थना करता है, जो यह स्थापित करता है कि बाइबलीय प्रार्थना की नींव आपसी संबंधपरक जान-पहचान है।
- **वचन:** योना 2:1, 6
- **खंड का शीर्षक:** संबंध पर आधारित पुकार और उत्तर का भरोसा

स्थान और समयरेखा

स्थान और समयरेखा: मछली के पेट में प्रार्थना

स्थानों की तालिका

नाम	जैसा सिखाया गया, वहाँ क्या हुआ	आधुनिक स्थान, यदि स्थापित हो	संदर्भ
नीनवे	महान शहर जो अपनी भारी बुराई के लिए जाना जाता था; परमेश्वर ने योना को वहाँ भेजा क्योंकि उनकी दया और संप्रभुता उसकी दुष्टता से कहीं बढ़कर है।	आधुनिक मोसुल के निकट, उत्तरी इराक	योना 1:2
जहाज / निचला डेक	योना यहोवा की उपस्थिति से भाग गया, जहाज के निचले भाग में उतर गया, और गहरी नींद में सो गया, जबकि ऊपर भयंकर तूफान उमड़ रहा था।	भूमध्य सागर	योना 1:5
मछली का पेट	वह अंधकारमय, संप्रभुता से तैयार किया गया परिवेश जहाँ योना ने तीन दिन और रातें बिताईं; इसने आत्मिक पुनर्जन्म और प्रार्थना के गर्भ की तरह काम किया।	भूमध्य सागर की गहराइयाँ	योना 1:17–2:10

नाम	जैसा सिखाया गया, वहाँ क्या हुआ	आधुनिक स्थान, यदि स्थापित हो	संदर्भ
सीनै पर्वत	वह पर्वत जहाँ इस्राएल अपनी जंगल की यात्रा के बाद पहुँचा, ताकि परमेश्वर को उन्हें अपना निज धन (*segullah*) घोषित करते हुए सुने।	पारंपरिक स्थल: जेबेल मूसा, दक्षिणी सीनै प्रायद्वीप	निर्गमन 19:1–6
मोरिय्याह पर्वत	तीन दिन की यात्रा के बाद पहुँचा गया पर्वत जहाँ इसहाक को चढ़ाने के लिए इब्राहीम की परीक्षा ली गई, जो स्वयं की मृत्यु को दर्शाता है; पास्टर किम द्वारा इसे सिय्योन पर्वत के रूप में पहचाना गया।	मंदिर पर्वत (टेंपल माउंट), यरूशलेम	उत्पत्ति 22:2, 14

समयरेखा की तालिका

दी गई तिथि	घटना	संदर्भ
लगभग 2000 ई.पू.	इब्राहीम इसहाक को बलि चढ़ाने के लिए मोरिय्याह पर्वत तक तीन दिन और तीन रात की यात्रा करता है।	उत्पत्ति 22:4
लगभग 1446 ई.पू.	मूसा इस्राएल को मिस्र से बाहर सीनै पर्वत की ओर जंगल में तीन दिन की यात्रा पर ले जाता है।	निर्गमन 3:18; 19:1
लगभग 8वीं शताब्दी ई.पू.	एक बड़ी मछली योना को निगल लेती है और वह सूखी भूमि पर उगले जाने से पहले उसके पेट में तीन दिन और तीन रात प्रार्थना करता है।	योना 1:17–2:10
लगभग 30 / 33 ईस्वी	यीशु मसीह अपनी मृत्यु, तीन दिन तक दफन रहने, और पुनरुत्थान के द्वारा "योना के चिह्न" को पूरा करते हैं।	मत्ती 12:39–40

(ध्यान दें: ये तिथियाँ पास्टर किम द्वारा उल्लेखित विवरणात्मक घटनाओं से प्राप्त मानक रूढ़िवादी बाइबिल कालक्रम को दर्शाती हैं।)

शिक्षा की रूपरेखा

शिक्षण की रूपरेखा: मछली के पेट में प्रार्थना

मुख्य वचन: योना 1:17–2:10
मुख्य विचार: परमेश्वर गहरे संकट के स्थानों को हमारा विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में तैयार करते हैं जहाँ हमारा पुराना 'स्व' मर जाता है और हम अपने व्यक्तिगत परमेश्वर को साहसपूर्वक पुकारना सीखते हैं, जो हमें सुनता है और हम कौन हैं उसके अनुसार उत्तर देता है।

भाग 1: बिन कहे की सुंदरता (योना 1:17–2:1)

- **मुख्य सत्य:** परमेश्वर ने योना की प्रार्थना को पवित्र काव्य के रूप में सुरक्षित रखा, जहाँ बिन कहा पृष्ठभूमि, यानी परमेश्वर का निरंतर वाचा-प्रेम, स्वयं शब्दों की तुलना में अधिक जोर से बोलता है।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** जिस प्रकार कोरियाई काव्य सौंदर्य में "रिक्त स्थान" (*yeobaek-ui mihak*) होता है, जहाँ प्रेमियों के बीच की साधारण मौन सहमति ही चाँद के तले सब कुछ कह देती है, उसी प्रकार योना की प्रार्थना एक विद्रोही नबी का पीछा करने वाली परमेश्वर की शांत, अथक दया से घिरी हुई है।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 1 (शीर्षक कार्ड: मछली के पेट में प्रार्थना)।

भाग 2: संप्रभुता से तैयार किया गया गर्भ (योना 1:17)

- **मुख्य सत्य:** जीवन के तूफान और संकट कोई अवांछित दुर्घटनाएँ नहीं हैं; परमेश्वर संप्रभुता से उस विशेष परिवेश को ठहराते हैं जहाँ वे हमसे मिलते हैं।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** परमेश्वर ने मछली को "ठहराया" या "तैयार किया" (*manah*), ठीक वैसे ही जैसे बाद में उन्होंने पौधे, कीड़े, और झुलसाने वाली हवा को ठहराया (योना 4)। इब्रानी भाषा में, मछली व्याकरणिक रूप से पुल्लिंग से स्त्रीलिंग में बदल जाती है, जो पानी की कब्र के रूप में नहीं, बल्कि एक मातृत्व गर्भ (*me'im*) के रूप में कार्य करती है, ताकि नए सिरे से नियुक्त किए गए सेवक को जन्म दे सके।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 2 (संकल्पना: परमेश्वर ने मछली ठहराई)।

भाग 3: तीन दिन और तीन रात: स्वयं की मृत्यु (योना 1:17; 2:10)

- **मुख्य सत्य:** आत्मिक परिवर्तन के लिए हमारे पुराने 'स्व', आत्म-धार्मिकता, और हठीले घमंड की मृत्यु आवश्यक है।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** "तीन दिन और तीन रात" का बाइबलीय विषय मरने और जी उठने की एक दहलीज को चिह्नित करता है:
- *निर्गमन:* इस्राएल जंगल में तीन दिन की यात्रा करता है ताकि अपनी दासता की मानसिकता को छोड़ सके और परमेश्वर को उन्हें अपना निज धन पुकारते हुए सुन सके (*segullah*, निर्गमन 19:5)।
- *उत्पत्ति 22:* इब्राहीम अपने सबसे प्रिय खजाने, इसहाक, को सौंपने के लिए मोरिय्याह पर्वत तक तीन दिन चलता है, जहाँ वह पुनरुत्थान का जीवन पाने से पहले अपने पुराने 'स्व' के लिए मरता है।
- *सुसमाचार:* यीशु "योना के चिह्न" को अपने स्वयं के गाड़े जाने और पुनरुत्थान के स्वरूप के रूप में इंगित करते हैं (मत्ती 12:40)।
- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 3 (समयरेखा / सादृश्यता: तीन दिन और तीन रात)।

भाग 4: "मेरे परमेश्वर" को पुकारना (योना 2:1–2)

- **मुख्य सत्य:** बाइबलीय प्रार्थना व्यक्तिगत वाचा-संबंध में गहराई से जुड़ी होती है, न कि किसी खोखले अनुष्ठान या जादुई उपाय में।
- **बाइबलीय अंतर्दृष्टि:** योना ने "अपने परमेश्वर यहोवा" (*Yahweh Elohayw*) से प्रार्थना की। मूर्तिपूजक मल्लाहों के विपरीत जो भय के मारे चिल्ला रहे थे, या उन नास्तिकों के विपरीत जो विस्मय का अनुभव तो

करते हैं परंतु धन्यवाद देने के लिए उनके पास कोई नहीं होता, विश्वासी के पास एक पिता के पास दौड़कर जाने का शाही विशेषाधिकार है। जिस प्रकार एक माँ अपने नन्हे बच्चे की तुतलाहट को समझती है, उसी प्रकार परमेश्वर हमारे लड़खड़ाते शब्दों को समझते हैं और मसीह में हमारे अस्तित्व तथा पहचान के अनुसार उत्तर देते हैं।

- **सहायक विज़ुअल:** विज़ुअल 4 (मुख्य पद / संकल्पना: "अपने परमेश्वर" से प्रार्थना करना)।

समापन प्रतिक्रिया

- आज आप जिस कठिन परिस्थिति में हैं, उसे मृत्यु का कक्ष नहीं, बल्कि परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया गर्भ समझें।
- अपने मानवीय प्रयासों, घमंड, और विद्रोह को यीशु के चरणों में डाल दें।
- पूरे भरोसे के साथ अपने परमेश्वर यहोवा को पुकारें, यह जानते हुए कि वह आपको जानता है, आपसे प्रेम करता है, और आपके प्राण को गड्ढे में से निकाल रहा है।

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्ययन मार्गदर्शिका: मछली के पेट में प्रार्थना

मूल सत्य

परमेश्वर मछली के पेट के समान संकट के समय और स्थानों को संप्रभुता से तैयार करते हैं, हमारा विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में जहाँ हमारा पुराना 'स्व' मर जाता है और हम अपने व्यक्तिगत परमेश्वर को पुकारने का शाही विशेषाधिकार पाते हैं, जो हम कौन हैं उसके अनुसार उत्तर देता है।

मुख्य पद

> “तब योना ने महा मच्छ के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कहा,”

> योना 2:1 (IRV)

पृष्ठभूमि टिप्पणियाँ

1. **साहित्यिक ढाँचा और "रिक्त स्थान":** योना 2 एक उत्कृष्ट इब्रानी भजन है जो एक कथात्मक ढाँचे (1:17 और 2:10) के भीतर स्थापित है। जिस प्रकार सुलेख और सूक्ष्म काव्य सीधे तौर पर न कही जा सकने वाली बातों को व्यक्त करने के लिए "रिक्त स्थान" पर निर्भर करते हैं, उसी प्रकार योना की काव्यात्मक प्रार्थना उस बिन कही वास्तविकता को उजागर करती है कि परमेश्वर का वाचा-अनुग्रह योना को उस समय भी थामे हुए था जब वह अथाह गहराइयों में डूब रहा था।

2. **परमेश्वर ने ठहराया (*Manah*):** योना 1:17 में, जिस शब्द का अनुवाद "तैयार किया" या "ठहराया" किया गया है, वह इब्रानी क्रिया *manah* है। परमेश्वर सर्वोच्च संप्रभु के रूप में प्रकट होते हैं जो प्रकृति को आज्ञा देते हैं: उन्होंने बड़ी मछली को ठहराया, और बाद में अध्याय 4 में अपने सेवक को सिखाने के लिए एक पौधा, एक कीड़ा, एक प्रचंड पुरवाई हवा, और धूप को ठहराया।
3. **कब्र से गर्भ तक:** मूल भाषा में, मछली को 1:17a में पुल्लिंग (*dag gadol*) के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन 1:17b और 2:1 में यह स्त्रीलिंग (*dagah*) में बदल जाती है। प्राचीन व्याख्याकार और इब्रानी विद्वान बताते हैं कि मछली के पेट (*me'eh*) के लिए प्रयुक्त शब्द अक्सर आंतरिक अंगों या माँ के गर्भ को दर्शाता है, जो मछली को प्राण लेने वाले साधन से बदलकर आत्मिक नवीनीकरण के एक पालक-गर्भ में परिवर्तित कर देता है।
4. **दहलीज के रूप में तीन दिन:** पूरे पवित्र शास्त्र में, "तीन दिन" की अवधि एक ऐसी परीक्षा की भूमि को चिह्नित करती है जहाँ पुरानी पहचान समाप्त हो जाती है ताकि परमेश्वर का नया उद्देश्य आरंभ हो सके: मिस्र से सीनै पर्वत तक इस्राएल की जंगल की यात्रा (निर्गमन 19), मोरिय्याह पर्वत तक इब्राहीम की यात्रा (उत्पत्ति 22), और पृथ्वी के केंद्र में यीशु के तीन दिन (मत्ती 12:40)।

चर्चा के प्रश्न

1. **वचन को समझना:** जब योना को समुद्र में फेंका गया, तो परमेश्वर ने उसे डूबने देने या तुरंत सूखी भूमि पर पहुँचाने के बजाय एक बड़ी मछली क्यों भेजी? "तैयार किया" या "ठहराया" शब्द हमें परमेश्वर के उद्देश्य के बारे में क्या बताता है?
2. **विषयों की खोज करना:** मछली के भीतर तीन दिन और तीन रात योना के लिए किस प्रकार "स्वयं की मृत्यु" को दर्शाते हैं? यह निर्गमन में इस्राएल की तीन दिन की जंगल यात्रा और उत्पत्ति 22 में मोरिय्याह पर्वत की इब्राहीम की यात्रा के समानांतर कैसे है?
3. **हृदय की जाँच करना:** पास्टर किम ने किसी प्रसिद्ध व्यक्ति (जैसे किसी राजनीतिक नेता) के बारे में जानने और उसके साथ वास्तविक, दोतरफा संबंध होने के बीच तुलना की। जब आप प्रार्थना करते हैं, तो क्या आप परमेश्वर से केवल एक विचार के रूप में प्रार्थना करते हैं या वास्तव में "अपने परमेश्वर यहोवा" के रूप में? दोनों में क्या अंतर है?
4. **परमेश्वर की देखरेख पर मनन करना:** तुतलाते हुए बच्चे को सुनने वाली माँ के उदाहरण पर विचार करें। यह जानकर आपको कैसा सांत्वना मिलती है कि परमेश्वर सिद्ध और परिष्कृत धार्मिक शब्दों की माँग करने के बजाय आपके *अस्तित्व* और आपकी *पहचान* के अनुसार उत्तर देते हैं?
5. **व्यक्तिगत अनुप्रयोग:** आज आप किस प्रकार की "मछली के पेट" जैसी परिस्थिति का सामना कर रहे हैं? इस परीक्षा को एक सजा के बजाय "अनुग्रह का तैयार किया गया गर्भ" समझने से आपके प्रार्थना करने और परमेश्वर को प्रत्युत्तर देने के तरीके में क्या बदलाव आता है?

फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp)

जब जीवन आपको गहराइयों में फेंक दे, तो याद रखें कि परमेश्वर ने आपकी परिस्थितियों को आपका विनाश करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे गर्भ के रूप में तैयार किया है जहाँ आपका पुराना 'स्व' मर जाता है और नया

जीवन आरंभ होता है। सच्ची प्रार्थना कोई बनावटी प्रदर्शन नहीं है; यह एक बच्चे का अपने प्रेमी पिता के पास दौड़कर जाना है। आज अपने परमेश्वर यहोवा को साहस के साथ पुकारें, जो आपके हृदय की तुतलाहट को सुनता है और आपको उत्तर देता है।

“तब योना ने महा मच्छ के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना करके कहा,” (योना 2:1, IRV)

प्रार्थना

“मछली के पेट से की गई प्रार्थना” के साथ एक प्रार्थना

योना 1:17-2:10

हे हमारे प्रभु परमेश्वर, आप सृष्टिकर्ता और सर्वोच्च शासक हैं,
जो सारी सृष्टि और मानव इतिहास पर राज्य करते हैं।
हर बड़े नगर और उसकी बुराई से भी कहीं महान,
आप प्रचंड आँधी, तूफान और विशाल मछली को आज्ञा देते हैं।
आप दयालु और अनुग्रहकारी हैं, क्रोध करने में धीमे और प्रेम से भरपूर हैं,
आप स्मरण रखते हैं कि हम मिट्टी ही हैं,
और जैसे पूरब पश्चिम से दूर है, वैसे ही आप हमारे अपराधों को हमसे दूर कर देते हैं।

जब हम गहरे समुद्र के बीच में फेंक दिए जाते हैं
और आपकी लहरें और तरंगें हमारे ऊपर से बह जाती हैं,
तब आप हमसे मिलने के लिए पहले से ही एक स्थान तैयार रखते हैं।
अपने प्रेम में, आप मछली के पेट को नए जीवन की कोख बना देते हैं
और हमारे प्राण को गड्ढे से उबार लेते हैं।
जितना हम स्वयं को जानते हैं, उससे कहीं अधिक अच्छी तरह आप हमें जानते हैं;
आप हमें अपनी अनमोल निधि कहते हैं
और गहराई में से हमारी टूटी-फूटी पुकार को सुनते हैं।

हे प्रभु, हमें क्षमा कीजिए कि हम आपके वचन से भागे
और जहाज के सबसे निचले हिस्से में जा छिपे,
और जब भयानक तूफान उठे, तब भी हमने प्रार्थना करने से इनकार किया।
हम व्यर्थ की मूर्तियों से चिपके रहे
और उस अनुग्रह से मुँह मोड़ लिया जो हमारा हो सकता था।
हम आपके विषय में केवल ऊपरी ज्ञान पाकर संतुष्ट हो गए,
अपनी ही ताकत से संकट से बचने का प्रयास करते रहे,
और अपने अतीत की कुरूपता और पुरानी आदतों को पकड़े रहे।
हम पर दया कीजिए, और यीशु के बहुमूल्य लहू से
हमारे विवेक को धोकर शुद्ध कर दीजिए।

हम धन्यवाद और स्तुति के जयजयकार के साथ आपका धन्यवाद करते हैं
कि उद्धार यहोवा ही की ओर से है।
हम यीशु मसीह के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा
योना के चिन्ह को पूरा किया।
क्योंकि वे अनुग्रह के सिंहासन के पास हमारे महायाजक के रूप में जीवित हैं,
इसलिए हमारे और आपके बीच अब कोई विभाजन की दीवार नहीं है,
और अपने संकट में हम आपको अपना प्रभु परमेश्वर जानकर आपके पास दौड़कर आ सकते हैं।

हर कठिनाई और तूफान में, हमें वह विशेष समय और स्थान देखने में सहायता कीजिए
जो आप हमसे मिलने के लिए तैयार करते हैं।
हमें और हमारी कलीसिया को प्रार्थना के उस स्थान में ले चलिए,
जहाँ गुलामी की हमारी पुरानी पहचान उतार फेंकी जाए
और हम धार्मिकता के वस्त्र पहन लें।
हमारे उन पड़ोसियों पर तरस खाइए जो खालीपन में जी रहे हैं,
जिनके पास धन्यवाद देने या पुकारने के लिए कोई नहीं है,
और उन्हें अपने पास ले आइए ताकि वे आपको पुकारें और नया जन्म पाएँ।

हे प्रभु, हम यहाँ उपस्थित हैं।
आराधना के पर्वत की ओर तीन दिन तक चलने वाले अब्राहम के समान,
हम आपके सामने अपने पुराने मनुष्यत्व को मरने के लिए सौंप देते हैं।
सूखी भूमि पर बाहर निकाले जाने पर,
हमने जो मन्नत मानी है उसे हम पूरा करेंगे
और धन्यवाद की स्तुति के ऊँचे स्वर के साथ अपना जीवन आपको अर्पित करेंगे।

हमारे जी उठे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा,
जिनका सारा उद्धार, महिमा और स्तुति सदा-सर्वदा है।
आमीन।

आशीष

यहोवा, जो दयालु और अनुग्रहकारी है,
आपके जीवन को गड्ढे से बचाए और आपको प्रेम और करुणा का मुकुट पहनाए,
और वह पिता जो आपको जानता है, आपको अपने अटल प्रेम में,
अब से लेकर सदा-सर्वदा तक सुरक्षित रखे। आमीन।[1]

---

[1] *भजन संहिता 103:4, 8, 13-14 पर आधारित।*

इस प्रार्थना का आधार वचन: योना 1:17-2:10; भजन संहिता 103:1-14; इब्रानियों 4:14-16; इब्रानियों 10:19-22; मत्ती 12:39-40; निर्गमन 3:18; निर्गमन 19:5; उत्पत्ति 22:1-5।

पास्टर हून किम के उपदेश के साथ, AI की सहायता से लिखी गई एक प्रार्थना। ये उनके अपने शब्द नहीं हैं। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

दोहराने के प्रश्न

पुनरीक्षण प्रश्नोत्तरी: मछली के पेट में प्रार्थना

प्रश्न

1. **बहुविकल्पीय:** "खाली स्थान का सौंदर्यशास्त्र" (*yeobaek-ui mihak*) को समझाने के लिए पास्टर किम किस कोरियाई कविता का उल्लेख करते हैं?
2. A) रॉबर्ट फ्रॉस्ट द्वारा *द रोड नॉट टेकन*
3. B) किम योंग-टेक द्वारा *द मून*
4. C) किम सोवोल द्वारा *अज़ेलियास*
5. D) युन डोंग-जू द्वारा *प्रेल्यूड*

1. **लघु उत्तरीय:** योना 1:17 और अध्याय 4 में परमेश्वर के संप्रभु कार्य को दर्शाने वाली कौन सी इब्रानी क्रिया है (जिसका अर्थ "नियुक्त करना" या "पहले से तैयार करना" है)?

1. **बहुविकल्पीय:** पास्टर किम द्वारा साझा की गई इब्रानी व्याकरण संबंधी समझ के अनुसार, योना 1:17a और 1:17b/2:1 के बीच मछली के विवरण में क्या बदलाव आता है?
2. A) छोटी मछली से समुद्री जीव
3. B) एकवचन से बहुवचन
4. C) पुल्लिंग (*dag*) से स्त्रीलिंग (*dagah*)
5. D) भूतकाल से भविष्यत् काल

1. **लघु उत्तरीय:** पास्टर किम के अनुसार, मछली का पेट मृत्यु-कक्ष होने के बजाय योना के लिए आत्मिक रूप से क्या दर्शाता था?

1. **बहुविकल्पीय:** निर्गमन 19:5 में, जंगल की तीन दिन की यात्रा के बाद, सीनै पर्वत पर परमेश्वर ने इस्राएल को कौन सी विशेष इब्रानी पदवी दी?
2. A) *Shalom* (शांति)
3. B) *Segullah* (निज धन)
4. C) *Goel* (छुड़ानेवाला सम्बन्धी)
5. D) *Kadosh* (पवित्र जन)

1. **लघु उत्तरीय:** उत्पत्ति 22 में इसहाक को होमबलि के रूप में चढ़ाने से पहले अब्राहम ने मोरिय्याह पहाड़ की ओर कितने दिन की यात्रा की थी?

1. **बहुविकल्पीय:** पास्टर किम ने उस दुखद खालीपन के रूप में क्या पहचाना जिसका अनुभव नास्तिक तब करते हैं जब वे सृष्टि में महान सुंदरता या विस्मय का सामना करते हैं?
2. A) वे इसे देखने के लिए यात्रा का खर्च नहीं उठा सकते।
3. B) वे गहरे विस्मय और कृतज्ञता का अनुभव करते हैं, लेकिन धन्यवाद देने के लिए उनके पास कोई व्यक्तिगत सृष्टिकर्ता नहीं होता।
4. C) वे प्रकृति के वैज्ञानिक नियमों को नहीं समझते हैं।
5. D) वे प्राकृतिक आपदाओं की शक्ति से डरते हैं।

1. **लघु उत्तरीय:** योना 2:1 में, कौन सा विशिष्ट वाक्यांश योना की प्रार्थना के वाचा-सम्बन्धी और व्यक्तिगत रिश्ते की नींव को प्रकट करता है?

1. **बहुविकल्पीय:** एक माँ और उसके बच्चे के उदाहरण के अनुसार, जब हमारे शब्द अनाड़ी और अपूर्ण होते हैं, तो परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर कैसे देते हैं?
2. A) जब तक हम परिपक्व धर्मशास्त्रीय भाषा नहीं सीख लेते, तब तक वे हमें अनदेखा करते हैं।
3. B) पवित्रशास्त्र को सही ढंग से उद्धृत न करने के लिए वे हमें डांटते हैं।
4. C) वे पहले हमारे अस्तित्व को उत्तर देते हैं, हमारी वास्तविक आवश्यकताओं को देखते हुए, ठीक वैसे ही जैसे एक माँ अपने शिशु की तुतलाहट को समझती है।
5. D) उन्हें हमारी याचिकाओं को फिर से शब्दों में पिरोने के लिए एक मध्यस्थ याजक की आवश्यकता होती है।

उत्तर कुंजी

1. **B) किम योंग-टेक द्वारा *द मून*** *यहाँ पाया गया:* भाग 1 ("खाली स्थान की एक कविता: मछली के पेट में प्रार्थना")
2. ***Manah* (מָנָה)** *यहाँ पाया गया:* भाग 2 ("परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया विशेष वातावरण" और शब्द अध्ययन)
3. **C) पुल्लिंग (*dag*) से स्त्रीलिंग (*dagah*)** *यहाँ पाया गया:* भाग 2 ("परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया विशेष वातावरण")
4. **आत्मिक पुनर्जन्म / रूपांतरण का एक मातृत्व गर्भ** *यहाँ पाया गया:* भाग 2 ("परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया विशेष वातावरण")
5. **B) *Segullah* (निज धन)** *यहाँ पाया गया:* भाग 3 ("तीन दिन और तीन रात: पुराने स्वभाव की मृत्यु और नया जन्म")
6. **तीन दिन (और तीन रात)** *यहाँ पाया गया:* भाग 3 ("तीन दिन और तीन रात: पुराने स्वभाव की मृत्यु और नया जन्म")
7. **B) वे गहरे विस्मय और कृतज्ञता का अनुभव करते हैं, लेकिन धन्यवाद देने के लिए उनके पास कोई व्यक्तिगत सृष्टिकर्ता नहीं होता** *यहाँ पाया गया:* भाग 4 ("रिश्ते पर आधारित पुकार और उत्तर का

निश्चय")

8. **"अपने परमेश्वर यहोवा से" (*Yahweh Elohayw*)** *यहाँ पाया गया:* भाग 4 ("रिश्ते पर आधारित पुकार और उत्तर का निश्चय")
9. **C) वे पहले हमारे अस्तित्व को उत्तर देते हैं, हमारी वास्तविक आवश्यकताओं को देखते हुए, ठीक वैसे ही जैसे एक माँ अपने शिशु की तुतलाहट को समझती है** *यहाँ पाया गया:* भाग 4 ("रिश्ते पर आधारित पुकार और उत्तर का निश्चय")

तीन मिनट में

तीन मिनट में प्रवचन

मछली के पेट में प्रार्थना, जो योना अध्याय एक, पद सत्रह से लेकर अध्याय दो, पद दस पर आधारित है, N.E.W. Church के पास्टर हून किम द्वारा सिखाई गई थी। पास्टर किम कवि किम योंग-टेक की द मून नामक पाँच पंक्तियों की एक कविता साझा करके शुरुआत करते हैं, जिसमें केवल साधारण शब्द हैं जैसे, ज़रूर, मैं समझता हूँ, हाँ, मैं करूँगा, मैं भी, हाँ, और ठीक है। जब किसी ऐसे व्यक्ति के साथ चाँदनी में ये शब्द बोले जाते हैं जिससे आप प्रेम करते हैं, तो वे कुछ शब्द उनके पीछे के खाली स्थान के कारण गहरा स्नेह प्रकट करते हैं। उसी तरह, मछली के पेट में योना की प्रार्थना इब्रानी कविता है, जहाँ खाली स्थान और पृष्ठभूमि हमारे दिलों से गहराई से बात करती है। पृष्ठभूमि तब शुरू होती है जब परमेश्वर ने एक बड़ी मछली तैयार की। मूल भाषा में, मछली पुल्लिंग से स्त्रीलिंग में बदल जाती है क्योंकि पेट एक गर्भ की तरह काम करता है, एक ऐसा स्थान जिसे परमेश्वर ने नए जीवन को जन्म देने के लिए तैयार किया है। परमेश्वर हमारे क्लेशों में एक ऐसा वातावरण तैयार करते हैं जहाँ हम उनसे मिल सकें। योना वहाँ तीन दिन और तीन रात रहा। पवित्रशास्त्र में, यह अवधि हमेशा उस समय को दर्शाती है जब पुराने स्वभाव की मृत्यु होती है ताकि एक नया जीवन शुरू हो सके। मूसा इस्राएल को जंगल में तीन दिन की यात्रा पर ले गया ताकि वे अपनी दासों वाली पहचान को उतार सकें और सीनै पर्वत पर परमेश्वर का निज धन बन सकें। अब्राहम ने अपने प्रिय पुत्र को समर्पित करते हुए और अपने पुराने स्वभाव के प्रति मरते हुए, मोरिय्याह पहाड़ की ओर तीन दिन तक यात्रा की। हमारे कष्टों में, परमेश्वर प्रार्थना का एक ऐसा समय और स्थान तैयार करते हैं जहाँ हमारे पिछले पाप और पुराना स्वभाव उतार दिए जाते हैं ताकि हम नए मनुष्यत्व को पहन सकें। अंत में, योना ने अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना की। सच्ची प्रार्थना एक व्यक्तिगत रिश्ते पर आधारित होती है। सृष्टि के सामने विस्मय में पड़े एक नास्तिक के पास धन्यवाद देने के लिए कोई नहीं होता, लेकिन विश्वासियों के पास पुकारने के लिए एक व्यक्तिगत परमेश्वर हैं। योना ने अपने संकट में महसूस किया कि उसे प्रार्थना करनी है, और उसे पूरा निश्चय था कि परमेश्वर ने उसकी सुन ली है। एक माँ की तरह जो अपने तुतलाते हुए शिशु की ज़रूरतों को समझती है, हमारे शब्द बनने से पहले ही परमेश्वर हमारे अस्तित्व को उत्तर देते हैं। हर क्लेश में, हम निडर होकर अपने परमेश्वर के पास दौड़ सकते हैं, यह जानते हुए कि वे हमें सुनते हैं और हमें बदल देते हैं।

एक सप्ताह के WhatsApp संदेश

दिन 1

योना 1:17

योना के समुद्र में फेंके जाने से पहले ही परमेश्वर ने एक बड़ी मछली तैयार की थी। हमारे क्लेशों में, परमेश्वर हमसे मिलने के लिए एक विशेष समय और स्थान तैयार करते हैं। मछली का पेट नए जीवन को जन्म देने के लिए एक गर्भ के समान काम करता था।

प्रश्न: परमेश्वर ने आपको अभी किस स्थान पर रखा है ताकि आप ठहरें और उनसे मिलें?

दिन 2

निर्गमन 19

इस्राएल ने अपनी दासों वाली पहचान को उतारने और सीनै पर्वत पर परमेश्वर से मिलने के लिए जंगल में तीन दिन की यात्रा की। परमेश्वर उन्हें अपनी वाणी सुनाने और यह सिखाने के लिए वहाँ लाए कि वे उनका निज धन थे। प्रार्थना वह तीन दिन का स्थान है जहाँ हमारा पुराना स्वभाव उतार दिया जाता है।

प्रश्न: इस सप्ताह आपको अपनी किस पुरानी आदत या सोच को परमेश्वर द्वारा दूर किए जाने की आवश्यकता है?

दिन 3

उत्पत्ति 22

अब्राहम ने परमेश्वर की आज्ञाकारिता में इसहाक को अर्पित करने के लिए मोरिय्याह पहाड़ की ओर तीन दिन तक यात्रा की। उस समय ने उसके पुराने स्वभाव की मृत्यु का प्रतीक प्रस्तुत किया क्योंकि उसने वह सब सौंप दिया जो उसके लिए सबसे अनमोल था। प्रार्थना में, हम अपने पुराने स्वभाव को मरने देते हैं ताकि परमेश्वर हमारे जीवन को नया कर सकें।

प्रश्न: परमेश्वर आपसे किस अनमोल वस्तु को अपने हाथों में सौंपने के लिए कह रहे हैं?

दिन 4

योना 2:1

योना ने मछली के पेट में से अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना की। सच्ची प्रार्थना एक व्यक्तिगत रिश्ते से शुरू होती है, यह जानने से कि यहोवा वास्तव में आपका परमेश्वर है। जब दुख पड़ता है, तो किसी ऐसे के पास दौड़कर जाना जो हमारा है, एक अद्भुत विशेषाधिकार है।

प्रश्न: क्या आप इस सप्ताह परमेश्वर के पास अपने व्यक्तिगत पिता और परमेश्वर के रूप में आते हैं?

दिन 5

योना 2:2

योना ने अपने संकट में पुकारा, और परमेश्वर ने उसे उत्तर दिया। क्लेश ही वह समय है जब परमेश्वर हमें प्रार्थना करने और उनके उद्देश्य को समझने के लिए बुलाते हैं। परमेश्वर पहले हमारे अस्तित्व को उत्तर देते हैं, यह जानते हुए कि हमें क्या चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे एक माँ अपने तुतलाते हुए बच्चे को समझती है।

प्रश्न: क्या आप आज परमेश्वर पर यह भरोसा रखते हुए अपनी सच्ची पुकार उनके पास लाएँगे कि वे आपकी सुनते हैं?

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.